

देबा चारण के जन्मयाई रे

देबा चारण के जन्मयाई रे

देबा चारण के जन्मयाई रे

सातों बहना तो आई पावणी

मैया, सातों बहना तो आई पावणी

देबा चारण के जन्मयाई रे

देबा चारण के जन्मयाई रे

सातों बहना तो आई पावणी मैया , सातों बहना तो आई पावणी

बिजासन म्हारी इंदरगढ़ में जार पूजाई रे

बिजासन म्हारी इंदरगढ़ में जार पूजाई रे

सबसे बड़ी तो मैया आप हो जगदंबा, सबसे बड़ी तो मैया आप हो

बिजासन म्हारी इंदरगढ़ में जार पूजाई रे

बिजासन म्हारी इंदरगढ़ में जार पूजाई रे

सबसे बड़ी तो मैया आप हो

जगदंबा , सबसे बड़ी तो मैया आप हो

दूजी तो कन्या रामगढ़ जार पूजाई रे

दूजी तो कन्या रामगढ़ जार पूजाई रे

प्यारो लागे ओ थांको देवरों मईया , प्यारो लागे ओ थाको देवरों

दूजी तो कन्या रामगढ़ जार पूजाई रे

दूजी तो कन्या रामगढ़ जार पूजाई रे

प्यारो लागे ओ थांको देवरों मैया , प्यारो लागे ओ थाको देवरों

तीजी तो कन्या लाल बाई महाराणी रे

तीजी तो कन्या लाल बाई महाराणी रे

भक्ता का सारा कारज सार दे महारानी , भक्ता का सारा कारज सार दे

तीजी तो कन्या लाल बाई महाराणी रे , तीजी तो कन्या लाल बाई महाराणी रे

भक्ता का सारा कारज सार दे महारानी , भक्ता का सारा कारज सार दे

चौथी तो मैया बरवाड़ा पुजवाई रे ,म्हारी चौथ मैया बरवाड़ा पूजवाई रे

रूप सुहाणो लागे आप को जगदंबा ,रूप सुहाणो लागे आप को

चौथी तो मैया बरवाड़ा पुजवाई रे ,म्हारी चौथ मैया बरवाड़ा पूजवाई रे

रूप सुहाणो लागे आप को जगदंबा ,रूप सुहाणो लागे आप को

पंचम तो मैया करौली में जार पूजाई रे ,म्हारी कैला देवी करौली में जार पूजाई रे

थे तो अन्न दाता म्हारी माई जी जगदंबा ,तू ही रखवाली म्हारी माई जी

पंचम तो मैया करौली में जार पूजाई रे ,म्हारी कैला देवी करौली में जार पूजाई रे

थे तो अन्न दाता म्हारी माई जी जगदंबा ,तू ही रखवाली म्हारी माई जी

करणी के संग गुलाब बाई पुजवाई रे

करणी के संग गुलाब बाई पुजवाई रे

प्यारी लागे वो देशनोक में जगदम्बा,

प्यारी लागे वो बीकानेर में

करणी के संग गुलाब बाई पुजवाई रे

करणी के संग गुलाब बाई पुजवाई रे

प्यारी लागे वो देशनोक में जगदम्बा,

प्यारी लागे वो बीकानेर में

महिमा ने मैया हेमन्त सैनी गावे री , महिमा ने मैया हेमन्त सैनी गावे री

निर्धन के आज्यों मैया पावणी जगदंबा

निर्धन के आज्यो मैया पावणी

महिमा ने मैया हेमन्त सैनी गावे री , महिमा ने मैया हेमन्त सैनी गावे री

निर्धन के आज्यो मैया पावणी जगदंबा, निर्धन के आज्यो मैया पावणी

लेखक / गायक - हेमन्त सैनी इंदरगढ़ !

रिकॉर्डिंग - मां भारती स्टुडियो टोंक

संपर्क सूत्र - 9511552408 , 7878793015

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36820/title/deba-charan-ke-janmayai-re>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |